ओरछेश वीरसिंह जू देव 'द्वितीय'
गौरव-ग्रंथ

हरिविष्णु अवस्थी

Scanned with OKEN Scanner

ओरछेश वीरसिंह जू देव "द्वितीय"

गौरव-ग्रंथ

हरिविष्णु अवस्थी
सम्पादक (द्वितीय संस्करण)

प्रकाशक
'ओरछेश' मधुकर शाह जू देव के सौजन्य से
श्री वीरेन्द्र केशव साहित्य परिषद टीकमगढ़ हेतु
जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स
दिल्ली – 110053
द्वारा प्रकाशित

Scanned with OKEN Scanner

ओरछेश वीरसिंह जू देव 'द्वितीय' गौरव-ग्रंथ

सम्पादक -हरिविष्णु अवस्थी

प्रकाशक
श्री वीरेन्द्र केशव साहित्य परिषद टीकमगढ़ हेतु
जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स
वी-508, गली नं.17, विजय पार्क, दिल्ली-110053
मो. 08527460252, 9990236819
ईमेलः jtspublications@gmail.com

टाइपिस्ट
दीपक सोनी,
शंकर कंप्यूटर एंड ग्राफिक्स
टीकमगढ़, मध्य प्रदेश

© ओरछेश मधुकर शाह जू देव

द्वितीय संस्करण : 2021
ISBN 978-93-90143-75-7
Price : 300/-

[All Rights Reserved. No part of this publication may be reproduced in any form without the written permission of the Editor]

PRINTED IN INDIA
Published and Printed by JTS Publications, Delhi-110053

Orchhesh Virsingh Ju Dev 'Dwitiya' Gaurav Granth
Edited By Harivishnu Awasthi

Scanned with OKEN Scanner

सूचिका

अध्याय	लेखक	पृष्ठ
चार शब्द	(स्व.) पं. बनारसीदास चतुर्वेदी	
भूमिका (प्रथम संस्करण)	(स्व.) पं. श्रीनारायण चतुर्वेदी	1
प्राक्कथन	हरिविष्णु अवस्थी	7
1. पुण्य कथा	(स्व.) श्री वियोगी हरि	10
2. महाराज श्री वीरसिंह जू देव 'ओरछेश'	(स्व.) वृन्दावनलाल वर्मा	13
3. स्वर्गीय ओरछेश की प्रगतिशीलता	(स्व.) पं. बनारसीदास चतुर्वेदी	24
4. महाराज वीरसिंह जू देव 'ओरछेश'	(स्व.) पं. बनारसीदास चतुर्वेदी	31
		34
5. पत्र लेखक 'ओरछेश'	(स्व.) पं. बनारसीदास चतुर्वेदी	38
6. मधुकर शाह की परम्परा	(स्व.) श्री कृष्णकिशोर द्विवेदी	
7. स्वर्गीय महाराज श्री वीरसिंह जू देव		40
	(स्व.)गौरीशंकर द्विवेदी 'शंकर'	50
8. ओरछेश का काव्य–प्रेम	(स्व.)बालकृष्णदेव भट्टाचार्य राजगुरु	54
9. स्व. महाराज वीरसिंह जू देव	(स्व.) पीताम्बर अध्वर्यू	57
10.ओरछेश का मानव रूप	(स्व.) यशपाल जैन	64
11.ओरछेश का निजी पुस्तकालय	(स्व.) कृष्णानन्द गुप्त	70
12.ओरछेश नरेश श्री वीरसिंह जू देव	(स्व.) जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी	74
13.ओरछेश श्री वीरसिंह जू देव	(स्व.) नन्दराम कठैल	80
14.ओरछेश का औसान	(स्व.) ले. कर्नल सज्जनसिंह	83
15.ओरछेश महाराज वीरसिंह देव	(स्व.) रमाशंकर शुक्ल	88
16.ओरछेश का काव्य प्रेम	(स्व.) रामचरण ह्यारण 'मित्र'	93
17.मानव–देव	(स्व.)शोभाचन्द्र जोशी	95
18.ओरछेश की विशेषतायें	(स्व.) डॉ. हीरालाल अमृतलाल कोठारी	98
19.ओरछेश, खिलाड़ी के रूप में	(स्व.) त्रिभुवन कुमार पांडे	100
20.वह वीर पुरूष थे	(स्व.) हरबल सिंह	102
21.श्रीमान ओरछेश के तीन रूप	(स्व.) श्री बद्री नारायण सिंह	

Scanned with OKEN Scanner

22. प्रजा वत्सल ओरछेश	(स्व.) श्री डी.आर.डोंगरे	106
23. महाराज श्री वीरसिंह जू देव	(स्व.) रामगोपाल चतुर्वेदी	108
24. स्वर्गीय श्री वीरसिंह जू देव	(स्व.) श्री अमृतलाल चतुर्वेदी	112
25. मधुर स्मृतियां	(स्व.) नरोत्तम दास चतुर्वेदी	115
26. लोक–गीत की विजय	(स्व.) देवेन्द्र सत्यार्थी	118
27. प्रांत निर्माण में महाराजा ओरछा का योग	(स्व.) रामगोपाल चतुर्वेदी	121
28. हिन्दी प्रेमी ओरछेश (देव पुरस्कार के जनक)	हरिविष्णु अवस्थी	127
29. ओरछेश के तथा उनके नाम कुछ पत्र		129
30. बुन्देलखण्ड	(स्व.) श्री मौलवी मंजर साहब	156
31. स्वर्गीय ओरछेश श्रद्धांजलि	(स्व.) कालिदास कपूर	158
32. वे अन्तःपुर	(स्व.) शिवानी	161
33. इंडिया गेट पर जॉर्ज पंचम की छतरी का विवाद	उद्यन शर्मा	165
34. ओरछेश वीरसिंह जू देव 'द्वितीय' द्वारा स्थापितपत्रकारिता की विकास यात्रा	हरिविष्णु अवस्थी	167
35. हॉकी खेल में ओरछेश वीरसिंह जू देव 'द्वितीय' का योगदान	हरिविष्णु अवस्थी	173

Scanned with OKEN Scanner

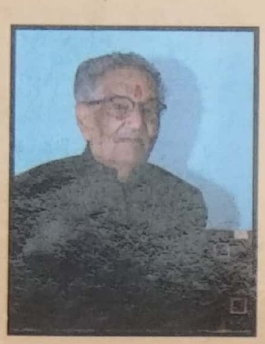

पं. हरि विष्णु अवस्थी

पं. हरि विष्णु अवस्थी कक्षा आठ की परीक्षा उत्तीर्ण होने की योग्यता के आधार पर तत्कालीन विन्ध्य प्रदेश के शिक्षा विभाग में जुलाई 1949 में सहायक शिक्षक पद पर बीस रुपया मासिक वेतन पर नियुक्त हुए। आपने स्वाध्यायी छात्र के रूप में हाई स्कूल, इन्टर, बी.ए. एंव एम.ए. इतिहास विषय में उपाधि प्राप्त की। आप सहायक शिक्षक, उच्च श्रेणी शिक्षक, प्रधानाध्यापक माध्यमिक विद्यालय के रूप में कार्यरत रहते हुए सेवाकाल के अंतिम पाँच वर्षो तक सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक टीकमगढ़ के प्रशासनिक पद पर कार्यरत रहते हुए वर्ष 1994 ई. में सेवा निवृत हुए।

आपने अनेक राष्ट्रीय सेमीनार में सहभागिता करते हुए शोध-पत्र प्रस्तुत किये। आप प्रो. पी. एन. रूसिया अभि. ग्रंथ, आचार्य पं. कृष्ण किशोर द्विवेदी अभिनंदन ग्रंथ, भैया श्री कपूर चन्द्र पोतदार अभिनंदन ग्रंथ, नारी जीवन के तीन पग, पं. लालाराम बाजपेई अभिनंदन ग्रंथ, डॉ. राम नारायण शर्मा अभिनंदन ग्रंथ, श्री लोकेन्द्र भाई गौरव ग्रंथ के सम्पादक मण्डल में रहे। आपने दादा मगन लाल गोइल गौरव ग्रंथ, स्वतंत्र संग्राम सेनानी पं. दुर्गा प्रसाद शर्मा स्मृति ग्रंथ, पं. लक्ष्मी नारायण नायक अभिनंदनग्रंथ एंव श्री अयोध्या प्रसाद गुप्त 'कुमुद' अभिनंदन ग्रंथों मधुघट एंव बल्देवगढ़ दर्शन का कुशल सम्पादन किया। देश की प्रतिष्ठित पत्र- पत्रिकाओं में आपके 300 के लगभग शोध आलेख प्रकाशित हैं।

आपकी कहत कबीर सुनो भाई साधौ, संतकबीर, झाँसी की रानी, लक्ष्मी बाई, बुन्देलखण्ड के स्वतंत्रता सेनानी, (संयुक्त लेखन) बुन्देलखण्ड के शिलालेख प्रथम भाग, बुन्देलखण्ड की कवयित्रियाँ, जल प्रबन्धन, बुन्देलखण्ड की पारंपरिक जल संरचनाएँ, नवा गढ का इतिहास, मधुकर युग निर्माता पत्रिका की विवरणी प्रकाशित कृतिया हैं। आपको समय-समय पर अनेक साहित्यिक, सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया है। जिन में कुछ सम्मान-सरस्वत सम्मान-हिन्दी साहित्य समेलन प्रयाग, साररवत सम्मान म.प्र. लेखक संघ भोपाल, सारस्वत सम्मान डॉ. भगवानदास गुप्त स्मृति संस्थान झाँसी, सरस्वती सम्मान कवितायन झाँसी, साहित्य श्री सम्मान-बुंदेली साहित्य समिति झाँसी, व्यास सम्मान घासीराम व्यास स्मृति न्यास झाँसी पोधी निधि सम्मान वृजभूमि शोध संस्थान विन्द्रावन, हिन्दी भाषा भूषण सम्मान साहित्य मण्डल श्री नाथ द्वारा पं. बनारसीदास चतुर्वेदी सम्मान, म.प्र. लेखक संघ टीकमगढ़ महाराजा वीर सिंह जू देव सम्मान ओरछा, महाराज छत्रसाल स्मृति सम्मान नौगाँव हजारी जी स्मृति सम्मान दमोह, अंजलि आनंद सम्मान छतरपुर, प्रतिभा सम्मान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, मरूभूमि शोध संस्थान श्री डूँगरगढ़, दीवान प्रतिपाल सिंह सम्मान पुरस्कार आचार्य राधेलाल सिलाकारी सम्मान पुरस्कार सागर, सुखरानी देवी स्मृति सम्मान पुरस्कार भोपाल, शिक्षक सम्मान पुरस्कार टीकमगढ़ आदि। सेवा निवृति पश्चात् वर्तमान में आप 89 वर्ष की आयु में साहित्य सृजन में निरत हैं।

सम्पर्क अवस्थी चौराहा, किले का मैदान
टीकमगढ़ (म.प्र. 472001)
दूरभाष 9407873003

प्रकाशक की कलम से

मूल्य 300/-

जे.टी.एस. पब्लिकेशन्स
वी -508 गली नं. 17,विजय पार्क,दिल्ली -110053
मो.08527460252,9990236819
ई मेल : jtspublications@gmail.com

ISBN 978-93-90143-75-7
9 789390 143757

Scanned with OKEN Scanner